

## विक्रय विलेख

यह विक्रय विलेख आज दिनांक \_\_\_\_\_ माह \_\_\_\_\_ वर्ष \_\_\_\_\_ की उत्तर प्रदेश आवास एवं विकास परिषद अधिनियम 1965 के अधीन गठित उत्तर प्रदेश आवास एवं विकास परिषद, जिसका प्रधान कार्यालय लखनऊ में है। जिसे एतद् पश्चात् 'परिषद' कहा गया है जिसका कार्य उसके आवास आयुक्त के माध्यम से होता है और जिस पद का तात्पर्य और जिसमें जब तक कि कोई बात प्रसंग के प्रतिकूल न हो, उक्त परिषद इसका पद धारक उत्तराधिकारी और अभ्यर्षिणी है और सम्मिलित है।

एक पक्ष और \_\_\_\_\_ जिसके एतद्पश्चात् पंजीकृत इच्छुक कंता कहा गया है और जिस पद का तात्पर्य और जिस में जब तक कि कोई बात प्रसंग के प्रतिकूल न हो, उक्त पंजीकृत इच्छुक कंता, उसके उत्तराधिकारी, विधिक प्रतिनिधि, निष्पादक और प्रशासक से है और सम्मिलित है दूसरे पक्ष के बीच किया गया, यह प्रदर्शित करता है कि—

चूंकि उक्त परिषद भूमि की स्वामी है और ज्वाने शहर/नगर लखनऊ, तहसील लखनऊ जिला लखनऊ में वृन्दावन योजना संख्या—\_\_\_\_\_ नामक मुहल्ले के \_\_\_\_\_ में निर्मित हिमालय एन्वलेव \_\_\_\_\_ का प्लैट संख्या—\_\_\_\_\_ का कुल मूल्य है और चूंकि उक्त परिषद ने रु० \_\_\_\_\_) जिसका आधा रु० \_\_\_\_\_ मात्र) होता है, के प्रतिफल स्वरूप उक्त सम्पत्ति (संख्या \_\_\_\_\_) को, जिसका पूर्ण विवरण और जिसकी माप इस विलेख से सलग्न अनुसूची 'क' में उल्लिखित है।

(जिसे एतद्पश्चात् उक्त सम्पत्ति के रूप में निर्दिष्ट किया गया है) बेचने का प्रस्ताव किया है और चूंकि इच्छुक कंता उक्त सम्पत्ति को परिषद से उचित मूल्य पर और इस विलेख में वर्णित निबन्धन और शर्तों के अधीन क्रय करने के लिए सहमत है अतएव रु० \_\_\_\_\_ मात्र) की धनराशि के प्रति फलस्वरूप एतद्द्वारा उक्त सम्पत्ति अर्थात् प्लैट संख्या \_\_\_\_\_ कंता को उसे निम्नलिखित निबन्धन और शर्तों के अधीन सर्वदा धृत करने के लिए विक्रय और अन्तरित करती है—

- (1) परिषद को उक्त सम्पत्ति का, जो ऐसे प्रयोजन के अनुसरण में जिसके लिए परिषद का गठन किया गया था, एतद्द्वारा विक्रय किया गया हो, हस्तान्तरण करने का पूर्ण अधिकार और स्पष्ट प्राधिकार है।
- (2) एतद्द्वारा हस्तान्तरित उक्त सम्पत्ति समस्त भार से मुक्त है।
- (3) उक्त सम्पत्ति का वास्तविक कब्जा इच्छुक कंता को प्रदत्त किया जाना है।
- (4) इच्छुक कंता उक्त सम्पत्ति को परिषद द्वारा द्वा उक्त परिषद के अधीन दावा करने वाले किसी व्यक्ति या व्यक्तियों द्वारा उत्पन्न किसी व्यकधान या बाधा के बिना ग्रहीत करेगा और उसका उपभोग करेगा।

(5) यदि क्रेता एतद्वारा हस्तान्तरित उक्त सम्पूर्ण सम्पत्ति या उसके किसी भाग से किसी पूर्ववर्ती भार ग्रस्तता, किन्हीं दावों या मंगों के कारण या उक्त परिषद के त्रुटियुक्त हक के कारण वंचित किया जाय तो उक्त परिषद क्रेता को युक्ति युक्त सीमा तक हानि, क्षति और खर्च की क्षति पूर्ति करेगी।

(6) उक्त सम्पत्ति का विक्रय कर दिया गया है और इच्छुक क्रेता ने इसे उक्त परिषद द्वारा यथा प्रस्तावित भूखण्डों/प्लॉटों और मकानों के इच्छुक क्रेताओं को पंजीकरण की योजना से संबंधित नियमों और अनुदेशों के अधीन कर दिया है और इसमें ऐसे संशोधन या परिवर्द्धन किए जा सकेंगे जो समय-समय पर प्रस्तावित और लागू किये जायें जिनमें से कुछ नीचे उद्धृत किए जा रहे हैं:-

(क) सम्पत्ति का हस्तान्तरण इच्छुक क्रेता को इसकी वर्तमान दशा में किया गया है और क्रेता को बाद में किसी कारण से कोई शिकायत या आपत्ति नहीं होगी। और न ही कोई दावा इस सम्बन्ध में स्वीकार्य होगा।

(ख) क्रेता द्वारा सम्पत्ति का उपयोग केवल आवासीय प्रयोजन के लिए किया जाएगा।

(7) उक्त सम्पत्ति का विक्रय कर दिया गया है और क्रेता ने इसे इस बात की स्पष्ट और पूरी समझदारी के साथ कर दिया है कि क्रेता केन्द्रीय या राज्य सरकारों के किसी प्राधिकारी द्वारा परिषद से किसी धनराशि के लिए चाहे जो भी हो, दावा किए गये किन्हीं प्रभारों के आनुपातिक भुगतान के लिए सदैव देनदार रहेगा। और यह कि उक्त क्रेता उक्त परिषद की कालोनी में सड़को, जल सम्पूर्ति, बिजली, सीवर और जल निस्तारण और किन्हीं अन्य सुविधाओं के अनुरक्षण और विनियम जैसी व्यवस्था के प्रभार के प्रतिकिसी अंशदान के लिए भी, जैसी और जब अपेक्षा की जाय, देनदार होगा और इच्छुक क्रेता द्वारा परिषद को देय ऐसी मासिक या वार्षिक धनराशि उक्त सम्पत्ति (संख्या- —————) पर प्रथम प्रभार के रूप में होगी और परिषद उक्त धनराशि को ———% की दर से ब्याज सहित पंजीकृत क्रेता से वसूल करने की विधिक रूप से हकदार होगी।

(8) क्रेता उक्त सम्पत्ति का उपयोग आवासीय प्रयोजन के सिवाय किसी अन्य प्रयोजन के लिये नहीं करेगा/करेगी और वह विक्रय किये गये सम्पत्ति के सम्बन्ध में परिषद के सभी अनुदेशों को सर्वथा अनुसरण करेगा/करेगी।

(9) इस विलेख के अधीन परिषद से इच्छुक क्रेता का आवंटित भूमि में जिस पर उक्त सम्पत्ति संख्या- ————— स्थित है के अतिरिक्त अनुलग्न भूमि निर्माण या उसके बगल में स्थित भूमि/निर्माण में किसी भी प्रकार का कोई हक संकल्पित नहीं होगा या संकल्पित नहीं ज़माना जाये।

(10) क्रेता ने विलेख में दिए गये निबन्धन और शर्तों को ध्यान पूर्वक पढ़ लिया है और उसके पूर्णरूप से जानकारी है कि इस विक्रय विलेख के अधीन उसके द्वारा प्राप्त किये गये अधिकार सदैव विलेख में दिये गये निबन्धनों और शर्तों के अधीन होंगे।

(11) क्रेता को प्लेट्स का भौतिक कब्जा प्राप्त करने की तिथि से दो वर्ष तक अनुरक्षण व्यय हेतु रु० ————— प्रति माह " कार्पस फण्ड " में जमा करना होगा। टिन्नालय एन्क्लेव में सर्वप्रथम व्यक्ति को दिये गये कब्जा की तिथि से 2 वर्ष के बाद मॅन्टीनेन्स का कार्य आवंटियों की समिति को कार्पस फण्ड की अवशेष बची धनराशि सहित हस्तगत करा दिया जायेगा। तत्पश्चात समिति द्वारा उक्त एन्क्लेव को अपने श्रोतों से करना होगा। निर्धारित रख-रखाव व्यय भौतिक कब्जा प्राप्त करने की तिथि से 2 वर्ष तक प्रति माह क्रेता को देना होगा। आवासीय समिति का सदस्य प्रत्येक क्रेता को बनना अनिवार्य होगा।

(3)

- (12) सुपर एरिया पर रू० 1.10 प्रति वर्ग फुट प्रति माह की दर से सामान्य सेवाओं जैसे कैम्पस लाइट, सेक्योरिटी गार्ड, ट्यूबवेल आपरेशन, कम्युनिटी सेन्टर की देख-रेख, सफाई विद्युत बिल आदि के रख-रखाव हेतु प्रत्येक फ्लैट्स ओनर को प्रतिमाह अतिरिक्त देना होगा। जीना, बरामदा, पार्किंग स्थान, पार्क, सुरक्षा कर्मचारी, नाली, जमादार आदि का वेतन एवं सीवर सिस्टम का रख-रखाव (एस०टी०पी०) एवं अन्य कामन नेचर की सेवाएँ आदि शामिल होगी।
- (13) नगर निगम अथवा अन्य किसी विभाग/निकाय द्वारा लगाये गये समस्त कर मुल्क गृहकर, जलकर आदि का भुगतान नियमानुसार क्रेता को अदा करना होगा।
- (14) योजना आवासीय योजना है अतः फ्लैट्स का प्रयोग केवल आवास हेतु किया जायेगा। क्रेता को फ्लैट्स में किसी भी प्रकार का निर्माण परिवर्तन अनुमत्य नहीं है। उत्संघन किये जाने पर विधिक कार्यवाही की जा सकेगी एवं विक्रय-दिलेख ढ़ो निरस्त किया जा सकेगा। उपरोक्त के अतिरिक्त शासन/परिषद के नियम, आदेश व निर्णय क्रेता पर प्रभावी होंगे।
- (15) सर्वोच्च मंजिल की छत पर किसी क्रेता विशेष का अधिकार नहीं होगा तथा यह उसी टावर के समस्त रेजीडेन्ट्स की सामुदायिक सेवाओं हेतु उपलब्ध रहेगा।
- (16) क्रेता द्वारा विद्युत खण्ड - 3, उ०प्र० आवास एवं विकास परिषद, कानपुर से निर्धारित वॉल्टेज औपचारिकतायें पूर्ण करके विद्युत कनेक्शन लिया जाना होगा। उक्त के अतिरिक्त दूरभाष एवं अन्य सर्विस कनेक्शन स्वयं के व्यय से लिया जा सकता है। परन्तु यह सुनिश्चित करना होगा कि इससे हिमालय एन्क्लेव के बाह्य एवं स्थायी स्ट्रक्चर पर कोई विपरीत प्रभाव न पड़े एवं इस हेतु परिषद से अनापत्ति प्रमाण पत्र प्राप्त किया जाना होगा।
- (17) प्रत्येक क्रेता को फ्लैट के बाह्य मेन्टीनेंस, मरम्मत, पेन्टिंग, ट्यूबवेल मरम्मत, कामन एरिया की लाइट की मरम्मत एवं बहलाव सीवर, नाली, एस०टी०पी० एवं बाह्य विद्युतीकरण आदि के सम्बन्ध में जो व्यय आयेगा, वह क्रेताओं के मध्य विभाजित एवं देय होगा।
- (18) आवंटित क्षेत्रफल जैसे पार्किंग का स्थान स्वतन्त्र एरिया एरोसिएशन को हस्तान्तरित किया जायेगा तथा इस पर कोई भी निर्माण एवं परिवर्तन बिना विक्रेता परिषद की अनुमति के मान्य नहीं होगा।
- (19) क्लब, ओपन एरिया, पार्किंग आदि कामन एरिया उ०प्र० अपार्टमेन्ट्स (परमोशन आफ कास्ट्रक्शन ओनर शिप एण्ड मेन्टीनेन्स एक्ट-2010) के अनुसार परिषद का रहेगा।
- (20) फ्लैट्स के हस्तान्तरित क्षेत्रफल में फ्लैट्स की चारों दिवारों से लगे हुए फ्लैट में दिवारों का आधा भाग फ्लैट में शामिल होगा।
- (21) पुस्तिका में असमावेशित रहगयी शर्तों के विषय में सम्बन्धित शासनादेशों व परिषद के प्राविधान प्रभावी होंगे।
- (22) किसी भी प्रकार के दाव का परिक्षेत्र लखनऊ होगा।
- (23) क्रेता द्वारा फ्लैट के विक्रय किये गये भुगतान का विवरण अनुसूची-क में है।

क्रमशः 4 पर

(4)

अनुसूची 'क'

प्रतिफल की धनराशि रुपये में)

मूल्य रु० \_\_\_\_\_

स्टाम्प पेपर रु० \_\_\_\_\_

उक्त प्लेट का कुल मूल्य रु० \_\_\_\_\_ ब्याज/दण्ड ब्याज रु० \_\_\_\_\_ 0 कुल रु० \_\_\_\_\_ आर्बटी द्वारा परिषद को भुगतान किया गया है।

नोट-(1) शासनादेश सं०वि०क०नि 5-2756/11-2008-500(115)-2007 दिनांक 30.06.2008 एवं शासनादेश संख्या- 772/स्टाम्प लिपिक-2015 दिनांक 15.12.2015 के अन्तर्गत \_\_\_\_\_ की दर से ई स्टैम्प प्रमाण पत्र न० \_\_\_\_\_ 0 के ई० स्टाम्प पेपर पर विक्रय विलेख निष्पादित किया जा रहा है।

नोट-(2) आर्बटि प्लेट संख्या \_\_\_\_\_ जो निर्गत पत्र सं० \_\_\_\_\_ दिनांक \_\_\_\_\_ छायाप्रति संलग्न के अनुसार उत्तर प्रदेश शासन कर एवं निबन्धन अनुभाग-7, आदेश संख्या-13/संख्या-क०नि०-7-440/11-2015-700(111) /13 लखनऊ दिनांक 30, मार्च, 2015 के शासनादेश अनुसार विक्रय विलेख एक वर्ष के अन्दर निष्पादित किया जा रहा है।

विक्रय की गई सम्पत्ति की अनुसूची

1-	भूमि का प्रकार	-	प्लेट्स
2-	मोहल्ला/ग्राम	-	ग्राम लड़ाकापुरवा, जिला बांदा।
3-	ब्लाक	-	4
4-	प्रकार	-	
5-	सम्पत्ति का विवरण	-	प्लेट्स संख्या-
6-	प्लेट का तल	-	
7-	प्लेट्स का निर्मित क्षेत्रफल	-	वर्ग मीटर
8-	प्लेट्स का सुपर एरिया	-	वर्ग मीटर
9-	प्लेट्स का प्रकार	-	आवासीय प्लेट्स
10-	कुल क्षेत्रफल	-	वर्ग मीटर
11-	कुल कर्बड क्षेत्रफल	-	वर्ग मीटर
12-	स्टेट्स फिनिश	-	फिनिश
13-	प्रतिफल की धनराशि	-	रु०
14-	मूल्य	-	रु०
15-	बाउन्ड्री आफ दी प्लेट्स संख्या		
	1- उत्तर-		
	2- दक्षिण-		
	3- पूर्व-		
	4- पश्चिम-		

कमरा 5 पर

(5)

अनुसूची-ख  
(क्रेता द्वारा किये गये भुगतान का विवरण)

जिसके साक्ष्य में ..... ने परिषद के लिए और उसकी ओर से और ..... आशयिता ..... क्रेता ने स्वयं खरीदार के रूप में स्वेच्छा और सम्पत्ति से किसी प्रभाव या प्रपीड़न के बिना साक्षियों की उपस्थिति में एतद्वारा अपने-अपने हस्ताक्षर किये।

क्रेता के हस्ताक्षर

परिषद की ओर से एवं उसके लिए  
सक्षम अधिकारी

1-साक्षी-ह०

1-साक्षी-ह०

नाम -

नाम -

पता -

पता -

2-साक्षी-ह०

2-साक्षी-ह०

नाम -

नाम -

पता -

पता -